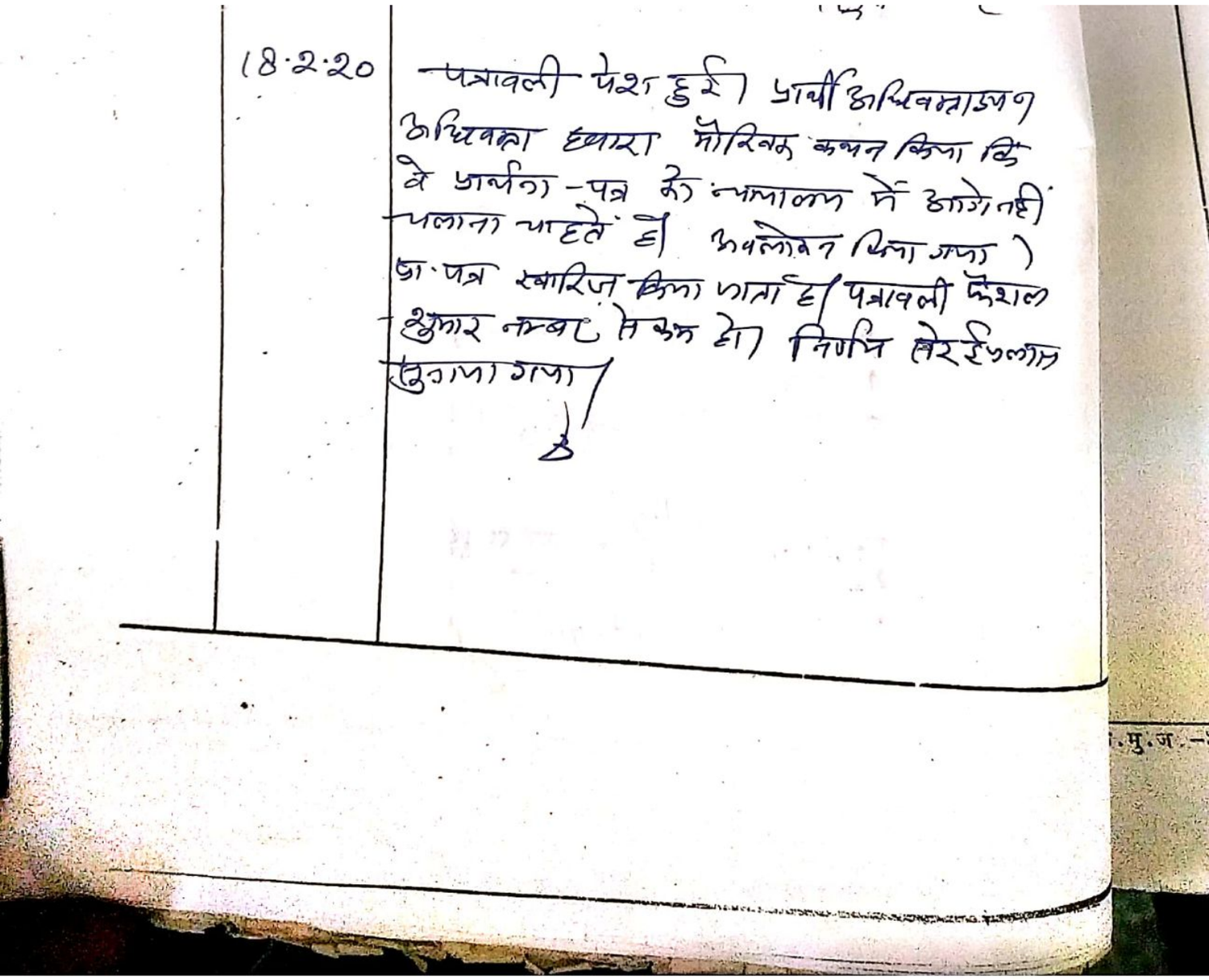

18·2·20	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी अभिवक्तागण अधिवक्ता द्वारा मौखिक कथन किया कि वे प्रार्थना-पत्र को न्यायालय में आगे नहीं चलाना चाहते हैं। अवलोकन किया गया। प्रा.पत्र खारिज किया जाता है। पत्रावली दाखिल शुमार नम्बर से कम हो। निर्णय बेर इजलास सुनाया गया।

.मु.ज.-

Scanned by CamScanner

Signature Not Verified
Digitally signed by Yugantar
Date: 2020.03.02 13:46:37 IST
Reason: SelfAttested